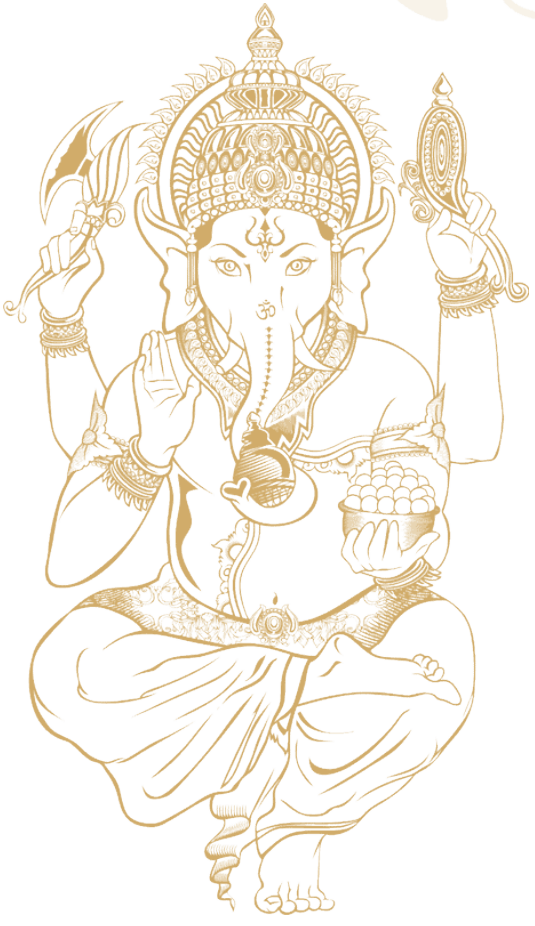

Vinita shimal

13 Mar 1970

09:30 AM

Pauri Garhwal

Model: Web-VarshKundli **Order No: 121810601**

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/03/1970	जन्म तिथि	**13/03/2026**
शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 09:30:00	जन्म समय	18:19:14 घंटे
घटी 07:34:35	जन्म समय(घटी)	29:38:58 घटी
India	देश	India
Pauri Garhwal	स्थान	Pauri Garhwal
उत्तर 30:08:00	अक्षांश	30:08:00 उत्तर
पूर्व 78:48:00	रेखांश	78:48:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:14:48	स्थानिक संस्कार	-00:14:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:28:10	सूर्योदय	06:27:38
18:21:11	सूर्यास्त	18:21:28
23:26:32	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:30

मेष	लग्न	सिंह
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
वृष	राशि	धनु
शुक्र	राशि-स्वामी	गुरु
कृतिका	नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
4	चरण	3
विष्कुम्भ	योग	वरियान
तैतिल	करण	वणिज
ए-एकलव्य	जन्म नामाक्षर	फा-फाल्गुनी
मीन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
वैश्य	वर्ण	क्षत्रिय
चतुष्पाद	वश्य	मानव
मेष	योनि	वानर
राक्षस	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
गरूड़	वर्ग	मूषक
56	गत/तत्कालिक वर्ष	57

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
कृतिका	1	29:18:51	मेष			लग्न			सिंह	29:03:13	1	उ०फाल्गुनी
पू०भाद्रपद	3	28:43:23	कुंभ			सूर्य			कुंभ	28:43:23	3	पू०भाद्रपद
कृतिका	4	08:54:36	वृष			चंद्र			धनु	22:13:02	3	पूर्वाषाढ़ा
अश्विनी	4	10:55:13	मेष			मंगल		अ	कुंभ	14:23:35	3	शतभिषा
शतभिषा	4	19:14:11	कुंभ		अ	बुध	व	अ	कुंभ	17:00:02	4	शतभिषा
स्वाति	2	11:49:35	तुला	व		गुरु			मिथु	20:52:18	1	पुनर्वसु
उ०भाद्रपद	3	10:13:08	मीन			शुक्र			मीन	14:34:54	4	उ०भाद्रपद
अश्विनी	4	12:33:35	मेष			शनि		अ	मीन	09:01:24	2	उ०भाद्रपद
शतभिषा	4	18:19:43	कुंभ	व		राहु			कुंभ	14:40:44	3	शतभिषा
पू०फाल्गुनी	2	18:19:43	सिंह	व		केतु			सिंह	14:40:44	1	पू०फाल्गुनी
हस्त	2	13:56:32	कन्या	व		मु			धनु	29:18:51	1	उत्तराषाढ़ा

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:30

लग्न-चलित

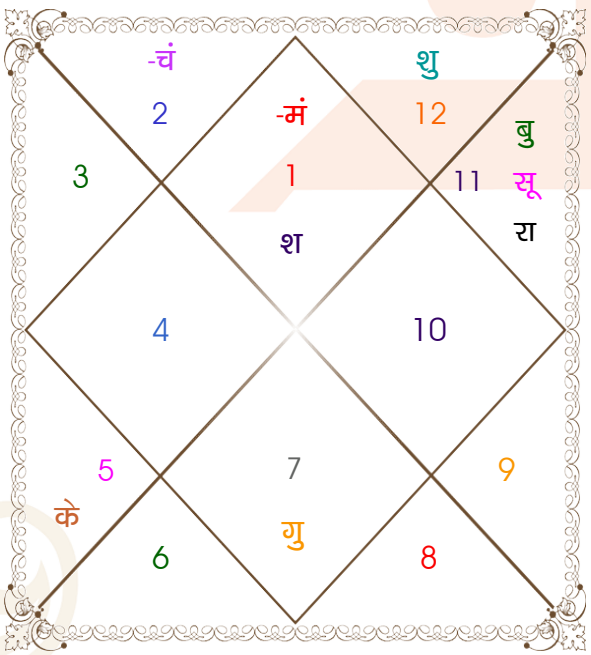

वर्ष लग्न कुंडली

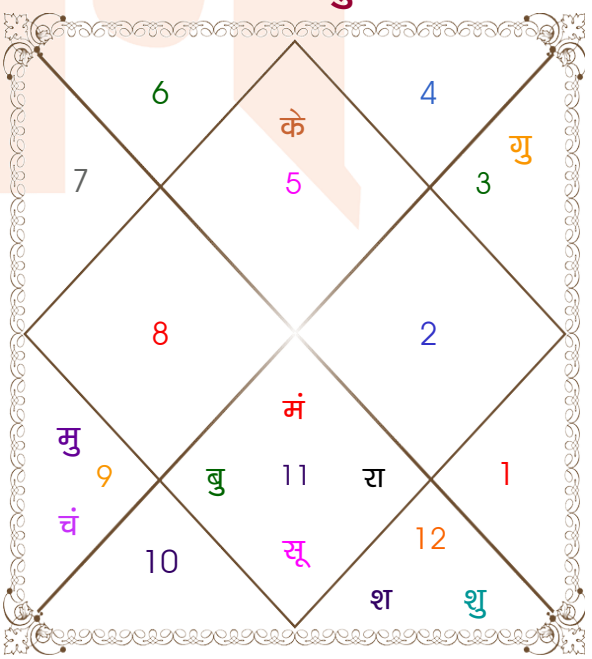

चन्द्र कुंडली

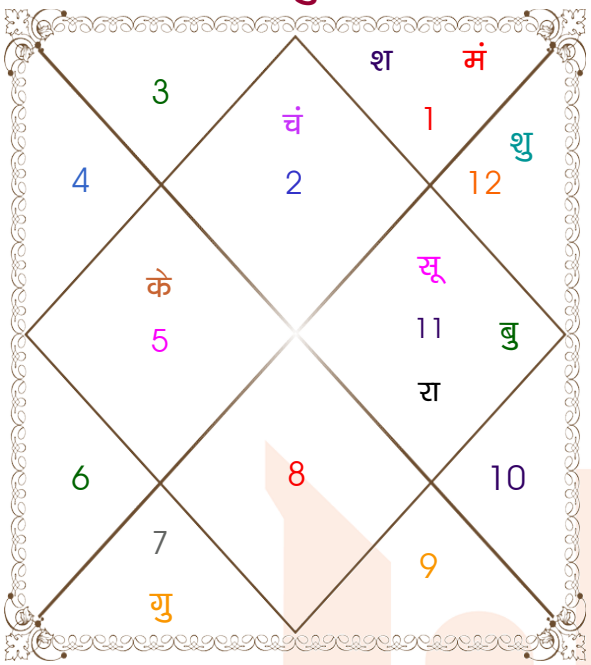

वर्ष चन्द्र कुंडली

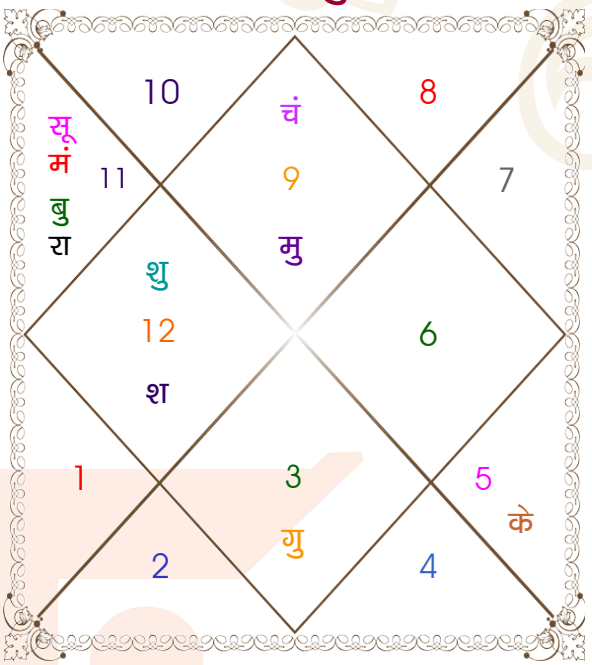

नवमांश कुंडली

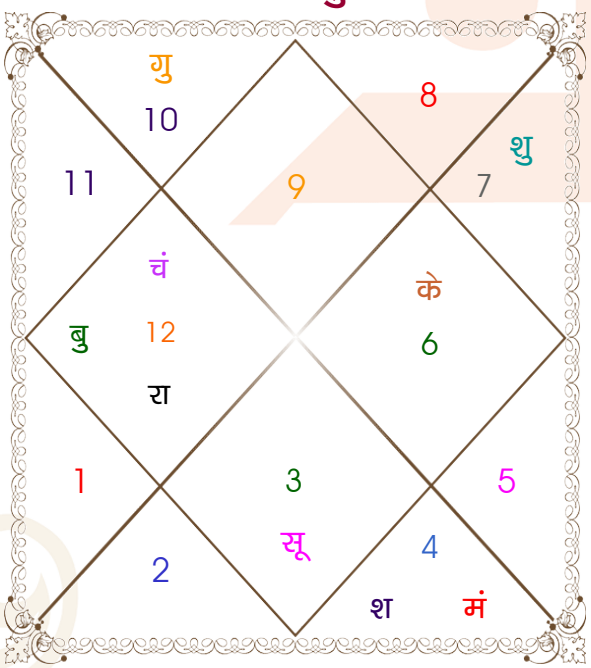

वर्ष नवमांश कुंडली

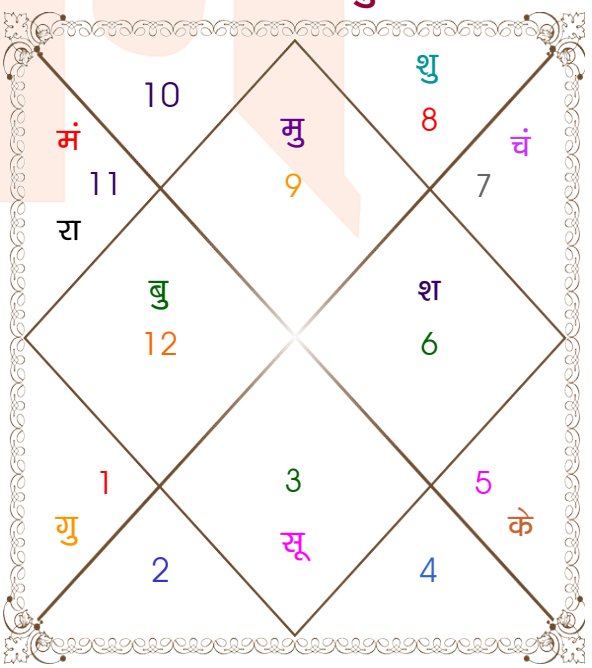

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम
चन्द्र	मित्र	---	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु
मंगल	शत्रु	मित्र	---	शत्रु	मित्र	सम	सम
बुध	शत्रु	मित्र	शत्रु	---	मित्र	सम	सम
गुरु	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	---	शत्रु	शत्रु
शुक्र	सम	शत्रु	सम	सम	शत्रु	---	शत्रु
शनि	सम	शत्रु	सम	सम	शत्रु	शत्रु	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सिंह	कुंभ	धनु	कुंभ	कुंभ	मिथु	मीन	मीन
होरा	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	मेष	कर्क	कुंभ	मिथु	मिथु	सिंह	मीन	मक
चतुर्थांश	वृष	वृश्चि	मिथु	वृष	सिंह	धनु	मिथु	मिथु
पंचमांश	तुला	तुला	मिथु	धनु	धनु	मिथु	मीन	कन्या
षष्ठांश	कन्या	कन्या	सिंह	मिथु	कर्क	सिंह	धनु	वृश्चि
सप्तमांश	कुंभ	सिंह	वृष	वृष	वृष	तुला	धनु	वृश्चि
अष्टमांश	मीन	मीन	तुला	वृश्चि	धनु	तुला	सिंह	कर्क
नवमांश	धनु	मिथु	तुला	कुंभ	मीन	मेष	वृश्चि	कन्या
दशमांश	वृष	वृश्चि	कर्क	मिथु	कर्क	धनु	मीन	कुंभ
एकादशांश	वृष	वृश्चि	कर्क	मिथु	कर्क	धनु	कर्क	वृष
द्वादशांश	कर्क	मक	सिंह	कर्क	सिंह	कुंभ	सिंह	मिथु

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	सम	शत्रु	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु
होरा	मित्र	स्व	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु
द्रेष्काण	मित्र	शत्रु	शत्रु	स्व	मित्र	शत्रु	स्व
चतुर्थांश	शत्रु	मित्र	सम	शत्रु	स्व	सम	सम
पंचमांश	सम	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	सम
षष्ठांश	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	सम
सप्तमांश	स्व	शत्रु	सम	सम	शत्रु	शत्रु	सम
अष्टमांश	मित्र	शत्रु	स्व	मित्र	शत्रु	सम	शत्रु
नवमांश	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	मित्र	सम	सम
दशमांश	शत्रु	स्व	शत्रु	मित्र	स्व	शत्रु	स्व
एकादशांश	शत्रु	स्व	शत्रु	मित्र	स्व	शत्रु	शत्रु
द्वादशांश	सम	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम	सम
शुभ	4	7	3	8	8	0	2
सम	3	0	4	2	0	4	6
अशुभ	5	5	5	2	4	8	4
कुल	अशुभ	शुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	अशुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	5	0	0
द्वितीय बल	0	0	0	0	0	5	0
तृतीय बल	0	0	0	5	5	5	5
चतुर्थ बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल	0	5	0	10	10	15	10
बल	अतिक्षीण	क्षीण	अतिक्षीण	सामान्य	सामान्य	बली	सामान्य

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	15.00	7.50	15.00	15.00	22.50	7.50	7.50
उच्च बल	15.41	5.47	18.18	3.11	18.43	18.62	4.55
हददा बल	7.50	11.25	11.25	11.25	11.25	7.50	3.75
द्रेष्काण	7.50	2.50	2.50	10.00	7.50	2.50	10.00
नवमांश	1.25	1.25	2.50	3.75	3.75	2.50	2.50
कुल	46.66	27.97	49.43	43.11	63.43	38.62	28.30
विंशोपक	11.67	6.99	12.36	10.78	15.86	9.66	7.08
बल	शुभ	सामान्य	शुभ	शुभ	बली	सामान्य	सामान्य

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	मंगल	12.36	अति अशुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	सूर्य	11.67	अति अशुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	गुरु	15.86	शुभ	गुरु
दिवापति	गुरु	15.86	शुभ	
त्रिराशिपति	सूर्य	11.67	अति अशुभ	

पात्यंश दशा

शनि		मंगल		शुक्र		बुध		गुरु	
13/03/2026		05/07/2026		10/09/2026		13/09/2026		13/10/2026	
05/07/2026		10/09/2026		13/09/2026		13/10/2026		01/12/2026	
शनि	17/04/2026	मंगल	17/07/2026	शुक्र	10/09/2026	बुध	15/09/2026	गुरु	19/10/2026
मंगल	08/05/2026	शुक्र	18/07/2026	बुध	10/09/2026	गुरु	19/09/2026	चंद्र	22/10/2026
शुक्र	09/05/2026	बुध	23/07/2026	गुरु	11/09/2026	चंद्र	21/09/2026	सूर्य	02/11/2026
बुध	19/05/2026	गुरु	01/08/2026	चंद्र	11/09/2026	सूर्य	27/09/2026	लग्न	02/11/2026
गुरु	03/06/2026	चंद्र	04/08/2026	सूर्य	11/09/2026	लग्न	28/09/2026	शनि	17/11/2026
चंद्र	08/06/2026	सूर्य	19/08/2026	लग्न	11/09/2026	शनि	07/10/2026	मंगल	26/11/2026
सूर्य	03/07/2026	लग्न	20/08/2026	शनि	12/09/2026	मंगल	13/10/2026	शुक्र	27/11/2026
लग्न	05/07/2026	शनि	10/09/2026	मंगल	13/09/2026	शुक्र	13/10/2026	बुध	01/12/2026

चंद्र		सूर्य		लग्न		शनि	
01/12/2026		18/12/2026		09/03/2027		14/03/2027	
18/12/2026		09/03/2027		14/03/2027		00/00/0000	
चंद्र	01/12/2026	सूर्य	05/01/2027	लग्न	09/03/2027	शनि	14/03/2027
सूर्य	05/12/2026	लग्न	06/01/2027	शनि	11/03/2027		00/00/0000
लग्न	05/12/2026	शनि	31/01/2027	मंगल	11/03/2027		00/00/0000
शनि	11/12/2026	मंगल	15/02/2027	शुक्र	11/03/2027		00/00/0000
मंगल	14/12/2026	शुक्र	16/02/2027	बुध	12/03/2027		00/00/0000
शुक्र	14/12/2026	बुध	23/02/2027	गुरु	12/03/2027		00/00/0000
बुध	15/12/2026	गुरु	06/03/2027	चंद्र	13/03/2027		00/00/0000
गुरु	18/12/2026	चंद्र	09/03/2027	सूर्य	14/03/2027		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

मंगल		राहु		गुरु		शनि		बुध	
13/03/2026		04/04/2026		28/05/2026		16/07/2026		12/09/2026	
04/04/2026		28/05/2026		16/07/2026		12/09/2026		03/11/2026	
मंगल	15/03/2026	राहु	12/04/2026	गुरु	04/06/2026	शनि	25/07/2026	बुध	19/09/2026
राहु	18/03/2026	गुरु	19/04/2026	शनि	12/06/2026	बुध	02/08/2026	केतु	22/09/2026
गुरु	21/03/2026	शनि	28/04/2026	बुध	18/06/2026	केतु	06/08/2026	शुक्र	01/10/2026
शनि	24/03/2026	बुध	06/05/2026	केतु	21/06/2026	शुक्र	15/08/2026	सूर्य	03/10/2026
बुध	27/03/2026	केतु	09/05/2026	शुक्र	29/06/2026	सूर्य	18/08/2026	चंद्र	08/10/2026
केतु	28/03/2026	शुक्र	18/05/2026	सूर्य	02/07/2026	चंद्र	23/08/2026	मंगल	11/10/2026
शुक्र	01/04/2026	सूर्य	21/05/2026	चंद्र	06/07/2026	मंगल	27/08/2026	राहु	19/10/2026
सूर्य	02/04/2026	चंद्र	25/05/2026	मंगल	09/07/2026	राहु	04/09/2026	गुरु	25/10/2026
चंद्र	04/04/2026	मंगल	28/05/2026	राहु	16/07/2026	गुरु	12/09/2026	शनि	03/11/2026

केतु		शुक्र		सूर्य		चंद्र		चंद्र	
03/11/2026		24/11/2026		24/01/2027		11/02/2027		11/02/2027	
24/11/2026		24/01/2027		11/02/2027		14/03/2027		14/03/2027	
केतु	04/11/2026	शुक्र	04/12/2026	सूर्य	25/01/2027	चंद्र	14/02/2027	चंद्र	14/02/2027
शुक्र	07/11/2026	सूर्य	07/12/2026	चंद्र	26/01/2027	मंगल	15/02/2027	मंगल	15/02/2027
सूर्य	08/11/2026	चंद्र	12/12/2026	मंगल	27/01/2027	राहु	20/02/2027	राहु	20/02/2027
चंद्र	10/11/2026	मंगल	16/12/2026	राहु	30/01/2027	गुरु	24/02/2027	गुरु	24/02/2027
मंगल	12/11/2026	राहु	25/12/2026	गुरु	01/02/2027	शनि	01/03/2027	शनि	01/03/2027
राहु	15/11/2026	गुरु	02/01/2027	शनि	04/02/2027	बुध	05/03/2027	बुध	05/03/2027
गुरु	18/11/2026	शनि	12/01/2027	बुध	07/02/2027	केतु	07/03/2027	केतु	07/03/2027
शनि	21/11/2026	बुध	20/01/2027	केतु	08/02/2027	शुक्र	12/03/2027	शुक्र	12/03/2027
बुध	24/11/2026	केतु	24/01/2027	शुक्र	11/02/2027	सूर्य	14/03/2027	सूर्य	14/03/2027

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - बुध - राहु	
14/03/2026 00:28	
08/08/2026 11:44	
राहु	05/04/2026 03:22
गुरु	24/04/2026 19:16
शनि	18/05/2026 03:39
बुध	08/06/2026 01:03
केतु	16/06/2026 15:30
शुक्र	11/07/2026 05:23
सूर्य	18/07/2026 14:21
चंद्र	30/07/2026 21:17
मंगल	08/08/2026 11:44

शनि - बुध - गुरु	
08/08/2026 11:44	
17/12/2026 13:46	
गुरु	25/08/2026 23:13
शनि	15/09/2026 17:20
बुध	04/10/2026 07:01
केतु	11/10/2026 22:32
शुक्र	02/11/2026 18:52
सूर्य	09/11/2026 08:10
चंद्र	20/11/2026 06:20
मंगल	27/11/2026 21:51
राहु	17/12/2026 13:46

शनि - बुध - शनि	
17/12/2026 13:46	
22/05/2027 05:40	
शनि	11/01/2027 05:17
बुध	02/02/2027 06:32
केतु	11/02/2027 08:27
शुक्र	09/03/2027 07:06
सूर्य	17/03/2027 01:54
चंद्र	30/03/2027 01:14
मंगल	08/04/2027 03:09
राहु	01/05/2027 11:32
गुरु	22/05/2027 05:40

शनि - केतु - केतु	
22/05/2027 05:40	
14/06/2027 20:24	
केतु	23/05/2027 14:43
शुक्र	27/05/2027 13:11
सूर्य	28/05/2027 17:31
चंद्र	30/05/2027 16:45
मंगल	01/06/2027 01:48
राहु	04/06/2027 14:49
गुरु	07/06/2027 18:23
शनि	11/06/2027 12:07
बुध	14/06/2027 20:24

शनि - केतु - शुक्र	
14/06/2027 20:24	
21/08/2027 07:41	
शुक्र	26/06/2027 02:17
सूर्य	29/06/2027 11:15
चंद्र	05/07/2027 02:11
मंगल	09/07/2027 00:39
राहु	19/07/2027 03:32
गुरु	28/07/2027 03:26
शनि	07/08/2027 19:50
बुध	17/08/2027 09:13
केतु	21/08/2027 07:41

शनि - केतु - सूर्य	
21/08/2027 07:41	
10/09/2027 13:28	
सूर्य	22/08/2027 07:58
चंद्र	24/08/2027 00:27
मंगल	25/08/2027 04:47
राहु	28/08/2027 05:39
गुरु	30/08/2027 22:26
शनि	03/09/2027 03:21
बुध	06/09/2027 00:10
केतु	07/09/2027 04:30
शुक्र	10/09/2027 13:28

शनि - केतु - चंद्र	
10/09/2027 13:28	
14/10/2027 07:06	
चंद्र	13/09/2027 08:56
मंगल	15/09/2027 08:10
राहु	20/09/2027 09:36
गुरु	24/09/2027 21:34
शनि	30/09/2027 05:45
बुध	05/10/2027 00:27
केतु	06/10/2027 23:41
शुक्र	12/10/2027 14:37
सूर्य	14/10/2027 07:06

शनि - केतु - मंगल	
14/10/2027 07:06	
06/11/2027 21:51	
मंगल	15/10/2027 16:10
राहु	19/10/2027 05:10
गुरु	22/10/2027 08:44
शनि	26/10/2027 02:28
बुध	29/10/2027 10:46
केतु	30/10/2027 19:49
शुक्र	03/11/2027 18:17
सूर्य	04/11/2027 22:37
चंद्र	06/11/2027 21:51

शनि - केतु - राहु	
06/11/2027 21:51	
06/01/2028 15:12	
राहु	16/11/2027 00:27
गुरु	24/11/2027 02:46
शनि	03/12/2027 17:30
बुध	12/12/2027 07:58
केतु	15/12/2027 20:59
शुक्र	25/12/2027 23:52
सूर्य	29/12/2027 00:44
चंद्र	03/01/2028 02:11
मंगल	06/01/2028 15:12

शनि - केतु - गुरु	
06/01/2028 15:12	
29/02/2028 14:37	
गुरु	13/01/2028 19:55
शनि	22/01/2028 09:01
बुध	30/01/2028 00:33
केतु	02/02/2028 04:07
शुक्र	11/02/2028 04:01
सूर्य	13/02/2028 20:47
चंद्र	18/02/2028 08:44
मंगल	21/02/2028 12:18
राहु	29/02/2028 14:37

शनि - केतु - शनि	
29/02/2028 14:37	
03/05/2028 16:56	
शनि	10/03/2028 18:11
बुध	19/03/2028 20:06
केतु	23/03/2028 13:51
शुक्र	03/04/2028 06:14
सूर्य	06/04/2028 11:09
चंद्र	11/04/2028 19:20
मंगल	15/04/2028 13:04
राहु	25/04/2028 03:49
गुरु	03/05/2028 16:56

शनि - केतु - बुध	
03/05/2028 16:56	
30/06/2028 01:19	
बुध	11/05/2028 19:55
केतु	15/05/2028 04:12
शुक्र	24/05/2028 17:36
सूर्य	27/05/2028 14:25
चंद्र	01/06/2028 09:07
मंगल	04/06/2028 17:24
राहु	13/06/2028 07:52
गुरु	20/06/2028 23:23
शनि	30/06/2028 01:19

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आपके समस्त शुभ एवं सांसारिक कार्य सम्पन्न होंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक स्थिति भी इस समय अच्छी रहेगी तथा मन में शान्ति एवं सन्तुष्टि बनी रहेगी। इस वर्ष में व्यक्तिगत सुख शान्ति तथा समृद्धि बनी रहेगी तथा पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। संतति पक्ष से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में उन्नतिशील रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को आप सम्पन्न करते रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क एवं तीर्थयात्रा के भी योग बनेंगे। इस समय आपकी बुद्धि तीक्ष्ण रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे तथा आप पर पूर्ण विश्वास करेंगे। अतः आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष उत्तम रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी इच्छित उन्नति एवं विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। साथ ही राज्य या सरकार के द्वारा आपको कोई विशिष्ट सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपको महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। शत्रु या विरोधी पक्ष को इस समय आप पराजित करेंगे तथा नवीन आय स्रोतों में वृद्धि करके आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहेंगे। साथ ही कोई विशष्ट लाभ भी हो सकता है। अतः यह समय आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक आपका समय व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा आप अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगी तथा इनमें आपको समय समय पर इच्छित सफलता की भी प्राप्ति होगी। इस समय मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगी तथा मन में स्फूर्ति का भाव विद्यमान रहेगा। इस वर्ष में आपकी बुद्धि निर्मल तथा शुद्ध रहेगी तथा अपनी बुद्धिमता से आप अन्य जनों पर अपना प्रभुत्व स्थापित करने में समर्थ रहेंगी साथ ही सभी सामाजिक लोग आपसे पूर्ण प्रभावित रहेंगे एवं आपको अपना पूर्ण सम्मान एवं सहयोग प्रदान करेंगे। इस समय आप स्व बुद्धिबल से जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त करेंगी। संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण सहयोग एवं प्रसन्नता मिलेगी तथा अपने क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे ।इसके साथ ही कार्य क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगी तथा प्रभाव तथा यश में भी वृद्धि होगी।

इस समय आपके हृदय में धार्मिकता के भाव की प्रबलता रहेगी तथा धर्मसंबधी कार्यो को करने के लिए आप तत्पर रहेंगी। देवता तथा ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा श्रद्धापूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगी।इसके साथ ही किसी शुभ पुण्य या किसी परोपकार संबधी कार्य में भी आपकी रूचि होगी तथा श्रद्धापूर्वक आप इन कार्यो को सम्पन्न करेंगी एवं यत्नपूर्वक अपना सहयोग प्रदान करेंगी। नाना प्रकार के भौतिक सुख संसाधनों की भी आपको इस समय प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगी। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे सन्तुष्ट रहेगा तथा उनसे आप वांछित सहयोग तथा लाभ समय समय पर प्राप्त करेंगी। अतः आपका समय आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

मासिक फलादेश

प्रथम मास
13/03/2026 18:19:14 से 13/04/2026 02:16:59 तक

इस मास को आप प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगी। इस समय आपकी बुद्धि निर्मलता से युक्त होगी तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी बुद्धि बल से सम्पन्न करेंगी। साथ ही आप पुत्र सुख तथा अन्यप्रकार से द्रव्यलाभ भी अर्जित करेंगी। इस महीने में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग इसको मन से स्वीकार करेंगे। इस समय आप सांसारिक महत्व के शुभ कार्यों को भी सम्पन्न करेंगी तथा शुभ समाचार भी प्राप्त होते रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजन करेंगी। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप अनकूल लाभ अर्जित करेंगी। इस समय आपकी अधिकांश मानसिक चिताएं दूर होंगी एवं समाज से पूर्ण मान एवं प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगी।

साथ ही इस मास में आप उच्चाधिकारी वर्ग से लाभ एवं सहयोग भी प्राप्त कर सकती हैं तथा अपने कार्य क्षेत्र में भी उन्नति प्राप्त करेंगी। इस समय आप देश विदेश की लाभदायक यात्रा भी कर सकती हैं साथ ही नवीन वस्त्रों तथा अन्य प्रकार के सुखों को भी अर्जित करने में सफल रहेंगी।

द्वितीय मास
13/04/2026 02:16:59 से 13/05/2026 22:36:51 तक

इस मास में आपको शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त होंगे अतः आप दुष्ट मनुष्यों की संगति को प्राप्त करेंगी तथा व्ययाधिक्य भी रहेगा जिससे आप मानसिक रूप से असन्तुष्ट रहेंगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य काफी परिश्रम करने के पश्चात भी अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे। धर्म के प्रति भी इस समय आपकी आस्था में न्यूनता आएगी जिससे देवता एवं ब्राहमणों का आप उचित सम्मान नहीं करेंगी। साथ ही अन्य कई प्रकार से भी आप धन हानि को प्राप्त कर सकती हैं। इस समय आपके मित्रों एवं सम्बन्धियों से परस्पर सम्बन्ध तनावपूर्ण रहेंगे तथा नौकरी या व्यापार सम्बन्धी कार्यों में भी आप अनावश्यक बाधाएं प्राप्त करेंगी।साथ ही शत्रु पक्ष भी इस मास आपका प्रबल रहेगा फलतः उनकी ओर से भी आप चिन्तित रहेंगी। इसके अतिरिक्त आप जिस भी कार्य को प्रारम्भ करेंगी उसमें परिश्रम पूर्वक ही सफलता मिल सकेगी।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त जनित दोषों से शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। इस समय रूधिर विकार का भी योग बनता है अतः सोच-समझ कर सावधानीपूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें तथा शारीरिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा का भी ध्यान रखें।

तृतीय मास
13/05/2026 22:36:51 से 14/06/2026 04:48:54 तक

इस मास में आप अपने उत्साह एवं परिश्रम द्वारा धनार्जन करने में सफल रहेंगी तथा समाज से यश एवं प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। बन्धु वर्ग एवं मित्रों से आपके सम्बन्धों में मधुरता रहेगी तथा उनसे आप उचित सहयोग तथा सम्मान प्राप्त करेंगी। सरकार के उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप आश्रय प्राप्त करेंगी तथा वे लोग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे फलतः आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होंगे। इस मास में आप मिष्ठान्न का भी अधिक मात्रा में प्रयोग करेंगी तथा शरीर से आप पूर्ण स्वस्थ्य रहेंगी। आपके शत्रु इस समय आपसे कमजोर रहेंगे अतः उन्हें पराजित करने में आप सफल रहेंगी। पति से आप पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी तथा व्यापारादि कार्यों में भी आप उचित लाभार्जन करके धन प्राप्त करेंगी। इस प्रकार यह मास आपके लिए शुभ लाभदायक रहेगा।

साथ ही इस मास में आप पुरूष वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभार्जन करने में भी सफल रहेंगी। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन लाभ होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा इस समय आप किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकती हैं। इसक अतिरिक्त समाजिक जनों के मध्य भी आप माननीया समझी जाएंगी।

चतुर्थ मास
14/06/2026 04:48:54 से 15/07/2026 15:32:25 तक

यह मास आपके लिए पूर्ण शुभफलदायक रहेगा अतः आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में सफल रहेंगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आप किसी सम्माननीय पद को प्राप्त कर सकेंगी। सरकार या अन्य उच्च वर्ग के लोगों से भी आप धनलाभ अर्जित करने में सफल होंगी। इस समय आपके घर में कोई धार्मिक उत्सव या कार्यक्रम भी हो सकता है। साथ ही पति एवं पुत्र से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करने में भी सफल रहेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा इनकी पूजा एवं सेवा करने में भी आप तत्पर रहेंगी। इस मास आपके समाज में यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा आपके भाग्योदय सम्बन्धी कार्य भी सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता रहेगी एवं दूर समीपस्थ स्थानों में लाभदायक यात्राओं के योग बनेंगे। उच्चाधिकारियों से भी आप सहयोग अर्जित करेंगी एवं मित्र तथा बन्धुवर्ग से आपके अत्यंत ही मधुर सम्बन्ध रहेंगे। इस प्रकार आप सर्वत्र मान प्रतिष्ठा अर्जित करेंगी।

साथ ही इस मास में आपका गृहस्थ सुख उत्तम रहेगा एवं नवीन वस्त्र तथा आभूषणादि को भी प्राप्त करने में आप सफल रहेंगी। इस प्रकार आप आनंदपूर्वक इस समय को व्यतीत करेंगी।

पंचम् मास
15/07/2026 15:32:25 से 16/08/2026 00:05:53 तक

इस मास में आप शुभ फलों को प्राप्त करने में सफल रहेगी। इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा स्व पराक्रम से आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में सफल रहेंगी। साथ ही नाना प्रकार के सुखों का आप उपभोग करेंगी। इस समय सामाजिक जनों से आप मान सम्मान अर्जित करेंगी एवं आपका यश भी दूर दूर तक फैलेगा। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा सम्पन्न करेंगी। अन्य जनों के परोपकार संबधी कार्य भी आप इस मास सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगी। इस समय आप शरीर से पूर्ण स्वस्थ रहेंगी तथा आपके शारीरिक बल में भी पूर्ण वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त बन्धुजनों एवं मित्र जनों से भी अपेक्षित सहयोग तथा सुख अर्जित करने में सफल रहेंगी तथा आपके मानसिक संकल्प भी पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में आप पति से वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगी तथा अपनी बुद्धिमता से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को पूर्ण करने में सफल रहेंगी। इस समय आप किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकती है। अतः इस महीने को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगी।

षष्ठ मास
16/08/2026 00:05:53 से 16/09/2026 00:27:00 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही सुख एवं सौभाग्य प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ बनेगी। आपके उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में यथा समय सिद्ध होंगे। इस समय आप अपने घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकती है। संतति से भी आपको सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा साथ ही देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इनकी पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगी। इस मास में आपकी कीर्ति दूर दूर तक फैलेगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य यथा समय पूर्ण होंगे। आपकी बुद्धि भी इस समय निर्मल रहेगी तथा आप दूर समीप की किसी लाभदायक यात्रा को भी कर सकेंगी। बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा परस्पर वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे। इस प्रकार समाज में सर्वत्र आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सहयोग तथा सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगी। इस समय आप अपनी बुद्धि के द्वारा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी। इस प्रकार आप विविध सुखों का उपभोग करेंगी तथा समाज में आपके यश में भी वृद्धि होगी।

सप्तम् मास

16/09/2026 00:27:00 से 16/10/2026 12:57:45 तक

इस मास में आप अधिकाशं अशुभ फल प्राप्त करेंगी परन्तु शुभफल भी न्यूनाधिक अवश्य ही घटित होंगे। इस समय आप शत्रुवर्ग से भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी तथा घर में किसी प्रकार की चोरी की घटना भी हो सकती है। इस मास में आपका धन व्यय अधिक होगा अतः आर्थिक रूप से आप कमजोर होंगी। साथ ही धर्म के प्रति आपके मन में कोई विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी फलतः शरीर में भी दुर्बलता रहेगी। इस मास में आप दूर समीप की किसी प्रकार की यात्रा भी कर सकती हैं। साथ ही अपने सांसारिक कार्यों को पूर्ण करने में आप असमर्थ रहेंगी फलतः मानसिक रूप से आप अत्यंत ही चिन्तित तथा उद्विग्न रहेंगी इसके अतिरिक्त मुकद्दमे आदि में भी आपका धन व्यय होगा। अतः सावधानी एवं बुद्धिमता पूर्वक इस मास को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी होते रहेंगे। अतः आप पति का पूर्ण सुख अर्जित करेंगी तथा उनसे आपको पूर्ण सहयोग भी प्राप्त होगा। इस समय आप की बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा धन लाभ एवं सुखार्जन करने में भी आप सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त समाज में आपकी कीर्ति में भी वृद्धि होगी।

अष्टम् मास

16/10/2026 12:57:45 से 15/11/2026 13:17:46 तक

इस मास में आप अपने उत्साह से प्रचुर मात्रा में धन अर्जित करने में सफल रहेंगी। सामाजिक जनों के मध्य इस समय आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। साथ ही पारिवारिक लोगों तथा बन्धुवर्ग से आपके संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे उचित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा।उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप पूर्ण सम्मान अर्जित करेंगी तथा आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होते रहेंगे। इस समय आपकी मिष्ठान्न भक्षण में भी अधिक रूचि रहेगी। आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं शारीरिक बल में भी वृद्धि होगी। इस मास में शत्रुपक्ष आपसे पराजित, भयभीत तथा चिन्तित रहेगा तथा व्यापार एवं अन्य कार्यो से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में सफल सिद्ध होंगी। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन भी सुखी तथा शान्त रहेगा।

साथ ही इस मास में आप पति तथा पुत्र का पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगी। इस समय आप नवीन वस्त्रों की प्राप्ति या स्वर्णादि के आभूषणों को भी अर्जित करने में सफल हो सकती हैं। अतः यह मास आपके लिये अत्यन्त ही शुभ एवं कल्याणकारी रहेगा।

नवम् मास

15/11/2026 13:17:46 से 15/12/2026 04:17:20 तक

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपका धन अधिक मात्रा में व्यय होगा तथा दुष्ट लोगों की संगति प्राप्त करेंगी। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी।

इस समय आपके कार्य पराक्रम एवं अत्यंत परिश्रम करने के बाद भी अल्प मात्रा में ही सफल होंगे फलतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगी।धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का भाव ही अधिक मात्रा में विद्यमान रहेगा। साथ ही अन्य प्रकार से भी आप धन हानि प्राप्त कर सकती हैं। बन्धुओं एवं मित्रों से आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव का वातावरण रहेगा। अतः इनसे आपको किसी विशेष प्रकार का सुख या सहयोग नहीं मिलेगा। इस मास में आप जो भी कार्य प्रारंभ करेंगी उनमें अनावश्यक रूप से व्यवधान उत्पन्न होते रहेंगे। साथ ही आपका शत्रुपक्ष भी इस समय प्रबल रहेगा तथा उससे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी। इसके अतिरिक्त आपकी इच्छित आशाएं भी इस समय पूर्ण नहीं होगी।

साथ ही इस मास में आप गर्मी से उत्पन्न रोगों के द्वारा कष्ट प्राप्त करेंगी तथा किसी प्रकार से रक्त विकार की भी संभावना रहेगी। अतः आप इस मास में सतर्कता पूर्वक बुद्धिमता से अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

दशम् मास
15/12/2026 04:17:20 से 13/01/2027 15:05:22 तक

इस महीने में आप सामान्यतया अशुभ फल ही प्राप्त करेंगी। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा फलतः शरीर में दुर्बलता रहेगी।साथ ही आपके शत्रु भी प्रबल रहेंगे फलतः उनकी ओर से भी आप चिन्तित तथा भयत्रस्त रहेंगी जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा अप्रसन्न रहेंगी। इस समय आपके घर में किसी प्रकार की चोरी होने की भी संभावना रहेंगी अतः सतर्क रहना चाहिए। इस मास में आपके व्यापार या कार्य क्षेत्र में मन्दी रहेगी तथा अनावश्यक रूप से विघ्न बाधाएं उत्पन्न होंगी। इसके साथ ही आपके कार्य क्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है या कोई कार्य छूट भी सकता है। समाज में अन्य जनों के साथ आपका परस्पर विवाद एवं संघर्ष भी होता रहेगा जिससे सामाजिक सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त इस मास में धन हानि की भी संभावना रहेगी तथा शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

इसके साथ ही इस मास में आप गर्मी से उत्पन्न रोगों के द्वारा शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगी तथा रक्त विकार की भी संभावना रहेगी। अतः सावधानी एवं बुद्धिमतापूर्वक इस मास में अपना समय व्यतीत करें तथा शारीरिक सुरक्षा का पूर्ण ध्यान रखें।

एकादश मास
13/01/2027 15:05:22 से 12/02/2027 03:50:56 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ तथा सौभाग्य में वृद्धि करने वाला होगा। इस समय आप पर्याप्त मात्रा में धनार्जन करेंगी तथा आर्थिक दृष्टि से पूर्ण सम्पन्न रहेंगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे। फलतः आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। इस मास में आपके घर में किसी धार्मिक उत्सव के आयोजन की भी संभावना रहेगी। संतति पक्ष से आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा एवं देवता तथा ब्राहमणों के प्रति आपके हृदय में अनन्य श्रद्धा का भाव रहेगा तथा नियमपूर्वक आप इनकी पूजा

तथा सेवा करेंगी। साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आप यश तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगी। इस समय आपके भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे तथा बुद्धि में भी निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा। साथ ही आपकी लाभदायक यात्रा के भी योग बनेंगे। बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा एक दूसरे से आप इच्छित सहयोग प्राप्त करेंगी। इस प्रकार से समाज में सभी लोगों से आप हार्दिक सम्मान प्राप्त करेंगी।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगी तथा अपनी बुद्धिमता से प्रचुर मात्रा में धन तथा सुखों को अर्जित करने में सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में रूचि शील रहते हुए समाज में पूर्ण यश एवं प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सफल रहेंगी।

द्वादश मास
12/02/2027 03:50:56 से 14/03/2027 00:16:09 तक

इस मास में आप सामान्यतया शुभ फल ही प्राप्त करेंगी परन्तु अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होते रहेंगे। इस समय आप में उत्साह के भाव की प्रबलता रहेगी तथा उत्साह पूर्वक धनार्जन करेंगी। साथ ही परिवार एवं समाज से आप वांछित सम्मान अर्जित करेंगी। इस समय मित्रों एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनके मध्य आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगी तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने में सफल रहेंगी। मिष्ठान्न के प्रति आपकी अधिक इच्छा रहेगी। साथ ही स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा तथा शरीर में बल की वृद्धि होती रहेगी। इस मास में शत्रुओं को पराजित तथा भयभीत करने में आप सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त पति एवं पुत्र से आपको वांछित सहयोग प्राप्त होगा तथा नौकरी या व्यापार के अतिरक्त अन्य साधनों से भी आप धनार्जन करने में सफल रहेंगी।

साथ ही इस मास में यदाकदा अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप गर्मी द्वारा उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगी। साथ ही रक्त विकार की भी संभावना रहेगी। अतः इस मास में शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सावधान रहें तथा धैर्य पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।